JMC
JAISHANKAR MEMORIAL CENTRE

मस्ती की पाठशाला

जयशंकर मेमोरियल सेंटर
न्यूज़लेटर, अक्टूबर 2025

एक झलक

मुख्य कार्यक्रम 2
अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस ("युवा हैं बदलाव की ताकत") 2

जे.एम.सी. डायरी 3
जयशंकर मेमोरियल सेंटर में शिक्षक दिवस का यादगार आयोजन 3

एक सफल कदम 4
''भारत एक, भाषा अनेक'' दिल्ली पुस्तक मेले में जे.एम.सी. छात्रों की सशक्त प्रस्तुति 4
Launch of State of Social Protection in India 5
सामाजिक संरक्षण योजनाओं पर चार दिवसीय जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर 6

सफलता की सुनी-अनसुनी बातें 7
स्वस्थ जीवन की ओर एक सार्थक पहल 7
हल्की–सी घबराहट और बड़ी छलांग – हमने कर दिखाया! 8

कौशल गलियारा 9
प्रथम क्रिएटिविटी क्लब 9
फायर ड्रिल – आपातकालीन सुरक्षा का व्यवहारिक प्रशिक्षण 10

त्यौहारोत्सव 11
दीयों की रोशनी से जगमगा उठा जेएमसी का आंगन 11
छोटे हाथों की बड़ी कलाकारी 12

"युवा हैं बदलाव की ताकत"

अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 16 अगस्त 2025 को जयशंकर मेमोरियल सेंटर (जेएमसी) द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें जे.एम.सी. की पूरी टीम, 70 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता फैलाना था। विद्यार्थियों ने हाथों में रंग–बिरंगे प्लेकार्ड लेकर और नारों के साथ "युवा दिवस का दिवस हमारा, स्वच्छता अभियान का गुंजे नारा", "आवाज उठाओ, गंदगी हटाओ", "स्वच्छता ही सेवा है, गंदगी जानलेवा है", "एक नियम ऐसा अपनाएं, कुड़ा करकट ना फैलाएं", जैसे नारे लगाते हुए लोगों से स्वच्छता को अपनाने की अपील की।

रैली का शुभारंभ जे.एम.सी. गेट इंस्टिट्यूशनल एरिया से होते हुए, राजस्थानी कैंप, एम ब्लॉक सरिता विहार, अग्रवाल स्वीट्स, एन ब्लॉक होते हुए वापस जे.एम.सी. गेट पर समापन हुआ।

रैली के मार्ग में संचालकों ने स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस दौरान एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर स्वच्छता का संकल्प लिया।

पूरे आयोजन के दौरान विद्यार्थियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। यह कार्यक्रम न केवल युवाओं के नेतृत्व क्षमता का प्रतीक बना, बल्कि समाज को स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सोचने और जागरूक होने के लिए प्रेरित भी किया।

आइए मिलकर अपने क्षेत्र को स्वच्छ बनाएं !

मस्ती की पाठशाला | 2

जयशंकर मेमोरियल सेंटर में शिक्षक दिवस का यादगार आयोजन

जयशंकर मेमोरियल सेंटर में 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर छठी से दसवीं कक्षा तक के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस वर्ष का आयोजन इसलिए भी खास रहा क्योंकि पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थियों ने संभाली। मंच संचालन, कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करना, नृत्य प्रस्तुतियां, हॉल की सजावट–हर कार्य बच्चों द्वारा योजनाबद्ध ढंग से और पूरी लगन के साथ किया गया।

विद्यार्थियों ने कक्षा के अनुसार कार्यों का विभाजन कर सजावट, प्रस्तुति और संचालन को अत्यंत सुव्यवस्थित रूप से संपन्न किया। उनकी रचनात्मकता, अनुशासन और जिम्मेदारी इतनी प्रभावशाली रही कि यह आभास ही नहीं हुआ कि कार्यक्रम का संचालन पूरी तरह विद्यार्थियों द्वारा किया गया है।

यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण बना। बच्चों ने आपसी सहयोग, संवाद और टीमवर्क के माध्यम से हर चुनौती का समाधान किया। उनका समर्पण और एकजुटता देखकर सभी शिक्षक अत्यंत प्रभावित हुए। यह दिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षक–विद्यार्थी संबंधों को और अधिक मजबूत करने वाला एक यादगार अनुभव रहा। विद्यार्थियों की मेहनत, रचनात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता ने इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया।

जयशंकर मेमोरियल सेंटर के सभी शिक्षक इस शानदार आयोजन के लिए अपने प्रिय विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं और धन्यवाद प्रेषित करते हैं।

''भारत एक, भाषा अनेक'' दिल्ली पुस्तक मेले में जे.एम.सी. छात्रों की सशक्त प्रस्तुति

7 अगस्त 2025 को दिल्ली पुस्तक मेले में बचपन सोसाइटी फॉर चिल्ड्रन लिटरेचर एंड कल्चर द्वारा आयोजित "भारत एक, भाषा अनेक" विषयक सांस्कृतिक कार्यक्रम में जयशंकर मेमोरियल सेंटर (जे.एम.सी.) के 25 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुसुमलता जी द्वारा प्रस्तुत गीत "बचपन से हम आए हैं, कथा–कहानी लाए हैं" से हुआ। इसके बाद संस्था की अध्यक्ष श्रीमती गिरजा रानी अस्थाना ने बच्चों, अभिभावकों एवं सभी सहयोगी संस्थाओं के सदस्यों को संबोधित करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में जे.एम.सी. के विद्यार्थियों ने राजस्थानी लोकगीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद अंकुर संस्था के बच्चों द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली नाटक तथा नूतन मराठी स्कूल के छात्रों की भावपूर्ण कविताओं ने कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा का संचार किया।

जे.एम.सी. के छात्रों द्वारा मंचित नाटक "भारतीय भाषाओं का सम्मान" सामाजिक संदेश और मनोरंजन का सुंदर संगम रहा। वहीं, छात्रा संजना की कविता ने श्रोताओं का मन जीत लिया।

सभी सहभागी संस्थाओं के विद्यार्थियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में आयोजित हिंदी भाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जे.एम.सी. के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी भाषाई समझ और ज्ञान का प्रभावशाली परिचय दिया।

जे.एम.सी. के विद्यार्थियों ने मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से न केवल अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की, बल्कि भारतीय भाषाओं की विविधता, गरिमा और सौंदर्य को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री एम.डी. अस्थाना ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

Launch of State of Social Protection in India

Jaishankar Memorial Centre recently participated in the launch event of the State of Social Protection in India Report – Highlights and Way Forward, organized by the SETU - The Social Protection Coalition. The report was launched by Ms. Siddhi Mankad, Co-Lead, Community Action Collaborative, and provided important insights into the current landscape of social protection in India and the way forward.

During the Member Spotlight session, representatives from FES, SNEHA (Society for Nutrition, Education and Health Action), ISAP India Foundation and FXB India Suraksha shared their experiences of strengthening social protection at the grassroots. JMC's ongoing work was also highlighted through close collaboration with SETU. JMC has organized several outreach camps in its catchment areas and has successfully enrolled over 3,000 beneficiaries in 12 social protection schemes, ensuring vulnerable communities gain access to essential entitlements.

The event also featured a panel discussion moderated by Ms. Alka Narang, with eminent speakers from academia, corporate sector, development organizations, and government. The discussion focused on challenges, innovations, and pathways to advance universal social protection in India.

JMC had actively participated in the State Consultation on Social Protection in Delhi which was part of the consultative process that shaped the report. Looking ahead, as we continue our collaboration with SETU and deepen our work on social protection in JMC's catchment areas, we see this as an essential step toward empowering communities, strengthening their access to entitlements, and enabling them to lead more secure and dignified lives.

सामाजिक संरक्षण योजनाओं पर चार दिवसीय जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर

जयशंकर मेमोरियल सेंटर एवं दत्तोपंत ठेंगडी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के सहयोग से द्वारा 23 सितंबर से 26 सितंबर 2025 तक सामाजिक संरक्षण योजनाओं पर आधारित चार दिवसीय शिविरों का सफल आयोजन किया गया। ये शिविर विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य श्रमिकों एवं वंचित समुदायों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना था।

शिविर के प्रारंभिक दो दिनों में कार्यक्रम श्रम विहार क्षेत्र में आयोजित हुआ, जहां आसपास की झुग्गी–बस्तियों से आए लगभग 90 लोगों ने पंजीकरण कराया। इस दौरान मुख्य रूप से आभा कार्ड, ई–श्रम कार्ड सहित अन्य आवश्यक योजनाओं के लिए आवेदन किए गए और लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर के अगले दो दिन आली विहार क्षेत्र में आयोजित किए गए। यह शिविर महाकालेश्वर मंदिर, सबका पार्क परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें आली विहार के विभिन्न ब्लॉकों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इन दो दिनों में लगभग 150 लाभार्थियों ने पंजीकरण कराकर आभा कार्ड, ई–श्रम कार्ड सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत आवेदन किए।

चार दिन चले इस शिविर के दौरान दत्तोपंत ठेंगडी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक श्री संजय कुमार जी की उपस्थिति रही। उन्होंने प्रतिभागियों को सामाजिक संरक्षण योजनाओं के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा सभी को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

यह आयोजन श्रमिकों एवं समुदाय के लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

स्वस्थ जीवन की ओर एक सार्थक पहल

जयशंकर मेमोरियल सेंटर में दिनांक 22 अगस्त 2025 को फूड फ्यूचर फाउंडेशन के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों, जिनमें विद्यार्थी, अभिभावक एवं स्टाफ सदस्य शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खान–पान से जुड़ी आदतों में सकारात्मक बदलाव लाकर सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत फूड फ्यूचर फाउंडेशन के संस्थापक श्रीमान पवन अग्रवाल एवं उनकी टीम के स्वागत और परिचय के साथ हुई। श्री पवन अग्रवाल ने स्वस्थ जीवन के लिए 21 आदतों में बदलाव की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से चार महत्वपूर्ण बिंदुओं– नाश्ते का महत्व, मोबाइल एवं टीवी के अत्यधिक उपयोग के दुष्प्रभाव, देर से भोजन और नींद की आदतें, तथा पर्याप्त पानी पीने के लाभपर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों के साथ संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावकों ने अपने प्रश्न पूछे और उनके समाधान प्राप्त किए। विद्यार्थियों ने भी अपनी खान–पान से जुड़ी आदतों को साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान अन्य महत्वपूर्ण बातें रखी गईं जैसे यदि अभिभावक स्वयं अपने व्यवहार और आदतों में बदलाव लाते हैं, तो बच्चे भी बहुत आसानी से सकारात्मक बदलाव अपनाते हैं। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति धन्यवाद देते हुए तथा भविष्य में ऐसे और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा के साथ किया गया।

हल्की-सी घबराहट और बड़ी छलांग - हमने कर दिखाया!

जयशंकर मेमोरियल सेंटर की चार छात्राओं की टीम ने 15 अक्टूबर 2025 को फूड फ्यूचर फाउंडेशन के छठे स्थापना दिवस समारोह में पहली बार मंच पर अपना रैप प्रस्तुत किया।

यह प्रस्तुति तुकबंदियों और हल्की–सी घबराहट भरी हंसी के साथ शुरू हुई, लेकिन कुछ ही पलों में यह एक सशक्त और भावपूर्ण अभिव्यक्ति में बदल गई–जो बीते हफ्तों में उनके सीखने, समझने और आत्मविश्वास के सफर को दर्शा रही थी।

अपने रैप के माध्यम से छात्राओं ने जीवन की छोटी लेकिन प्रभावशाली आदतों पर ध्यान केंद्रित किया– खाने के समय का सम्मान करना, पर्याप्त पानी पीना, साफ–सफाई बनाए रखना और मन को सकारात्मक रूप से तैयार रखना।

यह प्रस्तुति केवल एक मंचीय कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि सीखने, गलतियां स्वीकार करने, अपनी खामियों को अपनाने और कला में छिपी अनंत संभावनाओं की ओर पहला साहसिक कदम थी। इसने यह संदेश दिया कि कला को परिपूर्ण होने की नहीं, बल्कि ईमानदार होने की आवश्यकता होती है–एक ऐसा माध्यम जहां वे भावनाएं भी व्यक्त की जा सकती हैं, जो शब्दों में कहना कठिन होता है।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्राएं अपने भीतर छिपी शक्ति को लेकर आश्वस्त नहीं थीं, लेकिन प्रस्तुति के अंत तक उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। उन्होंने पूरे जोश, निर्भीकता और निरंतरता के साथ माइक पर अपनी कहानी सुनाई।

दर्शकों ने उन्हें ध्यान से सुना, देखा और खुले दिल से सराहा।

यह अनुभव छात्राओं के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ–एक ऐसा क्षण जिसने उन्हें अपनी आवाज़, अपनी पहचान और अपनी क्षमता पर विश्वास करना सिखाया।

प्रथम क्रिएटिविटी क्लब

(प्रतिभा और कल्पना का संगम)

जयशंकर मेमोरियल सेंटर और प्रथम के सहयोग से प्रथम क्रिएटिविटी क्लब की विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें गेंद को टोकरी में डालना, लाइट–अप कार्ड बनाना, रेमियल नेम आर्ट आदि गतिविधियों पर कार्य किया गया।

छठी से दसवीं कक्षा तक के 19 समूहों द्वारा सभी विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया और इन्हें सफलतापूर्वक पूरा किया।

विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति का अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

फायर ड्रिल - आपातकालीन सुरक्षा का व्यवहारिक प्रशिक्षण

जयशंकर मेमोरियल सेंटर में दिनांक 24 जुलाई 2025 को रेमिडियल कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए एक फायर ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 30 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस ड्रिल के संचालन हेतु डी.एस. सेफ्टी सिस्टम से अनुभवी प्रशिक्षक श्री राकेश जी उपस्थित रहे। फायर ड्रिल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में सुरक्षित एवं सही तरीके से भवन से बाहर निकलने की प्रक्रिया सिखाना तथा उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार करना था।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को यह अभ्यास कराया गया कि आग लगने की स्थिति में घबराए बिना निकास द्व ारों का अनुशासित ढंग से उपयोग कैसे किया जाए और अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्हें आग बुझाने वाले यंत्रों (फायर एक्सटिंग्विशर) के सही उपयोग की जानकारी भी दी गई।

यह प्रशिक्षण सत्र अत्यंत प्रभावी रहा। विद्यार्थियों ने पूरे अनुशासन के साथ भाग लिया और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां रुचि और उत्साह के साथ सीखीं।

दीयों की रोशनी से जगमगा उठा जेएमसी का आंगन

जयशंकर मेमोरियल सेंटर (जेएमसी) में 18 अक्टूबर 2025 को विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह और उमंग के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। इस अवसर की तैयारियां विद्यार्थियों द्वारा दो दिन पहले से ही शुरू कर दी गई थीं। दीपावली की पूर्व संध्या पर बच्चों ने चित्रकला की, दीयों को रंग–बिरंगे रंगों से सजाया तथा सुंदर रंगोलियां बनाकर जेएमसी के आंगन को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया।

जेएमसी की दरवाजों और दीवारों को फूलों की मालाओं और तोरण से सजाया गया। विद्यार्थियों ने आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियों के माध्यम से भी अनेक सजावटी सामान तैयार किए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने दीए जलाए, अपनी पसंदीदा गानों पर नृत्य किया और अपनी खुशियां एक–दूसरे के साथ साझा कीं, जिससे पूरा वातावरण आनंद, उल्लास और उत्साह से भर गया।

दीपावली की रोशनी और बच्चों की मुस्कान से पूरा जेएमसी परिसर जगमगा उठा।

छोटे हाथों की बड़ी कलाकारी

8 अगस्त 2025 को जयशंकर मेमोरियल सेंटर में रक्षाबंधन का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा चौथी से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने अपनी कक्षा के खत्म होने के बाद सामूहिक रूप से राखी बनाने की गतिविधि में भाग लिया।

राखी बनाने के दौरान बड़े विद्यार्थियों ने छोटे बच्चों की सहायता की, जिससे आपसी सहयोग और टीमवर्क की भावना सशक्त रूप से देखने को मिली। विद्यार्थियों ने ग्लेज़ पेपर, ग्लिटर शीट, रंगीन रिबन, मोती, सितारे एवं अन्य सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर अत्यंत सुंदर और आकर्षक राखियां तैयार कीं।

बच्चों ने पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ पारंपरिक राखियों को नए और अनूठे रूप में प्रस्तुत किया। यह गतिविधि न केवल मनोरंजक रही, बल्कि विद्यार्थियों के लिए सीखने और सहयोग की भावना विकसित करने का भी महत्वपूर्ण अवसर बनी।

अपनी स्वयं बनाई गई राखियों को देखकर सभी विद्यार्थी अत्यंत प्रसन्न दिखाई दिए। उनकी मेहनत, कल्पनाशक्ति और कलात्मक अभिव्यक्ति ने इस आयोजन को विशेष रूप से यादगार बना दिया।

JMC
JAISHANKAR MEMORIAL CENTRE

Published on behalf of JMC by Geetha Ravishankar, President, Jaishankar Memorial Centre
Darshan, Plot No. 5, Institutional Area, Sarita Vihar, New Delhi - 110 076, Tel: 91 11 26955763; 2697 2743
Email: renewal.jmc@gmail.com, www.jmcindia.org

Editorial Assistance, Design & Printing by New Concept Information Systems (P) Ltd.
Project Office: Plot No. 5, Institutional Area, Sarita Vihar, New Delhi -110076
Tel.: 26972748. email: nc@newconceptinfosys.com